Sixteenth Loksabha

pan>

Title: Need to formulate a comprehensive agriculture policy for farmers.

श्री जयश्रीबेन पटेल (मेहसाणा): कृषि के क्षेत्र में अच्छा मुनाफा न होने की वजह से आज भी किसान खेती को छोड़कर दूसरा काम करना चाहते हैं। 76 प्रतिशत किसान खेती को छोड़कर दूसरा धंधा करना चाहते हैं। 61 प्रतिशत किसान शहरों में नौकरी करना चाहते हैं क्योंकि वहां शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के ज्यादा अवसर हैं। किसान बीज, बुआई, बारिश और बाढ़ के चक्कर में पड़कर बर्बाद हो जाता है। किसानों को दिए जाने वाले ऋण में लोग तथा अन्य कई दलों की लाभ लेने की प्रवृत्ति भी बढ़ रही है। इससे किसानों में कहीं न कहीं यह संदेश भी जा रहा है कि बैंकों से लिए कर्ज को चुकाने की जरूरत नहीं है, इस सोच के चक्कर में कई बार किसान बिना जरूरत के भी कर्ज के चुंगल में फंस जाता है। इस सिलसिले में किसानों का कोई भला नहीं हो पा रहा है। इससे बैंकों का वित्तीय अनुशासन गड़बड़ा रहा है। कर्ज चुकाने में सक्षम किसान भी इससे बचते हैं। कई बार किसान को उसके उत्पाद का लागत मूल्य भी नहीं मिलता है और वह कर्ज लेने को मजबूर हो जाता है। हमारा किसान केवल उत्पादक ही नहीं खरीददार भी है। यदि किसान फसल से अच्छा लाभ कमाएगा तो उसकी खरीदने की क्षमता भी बढ़ेगी।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि किसानों द्वारा लिए गए कर्ज माफी के बजाए एक समग्र कृषि नीति बनाई जाए। इससे किसान पर्याप्त रूप से लाभप्रद स्थिति में होंगे।